



ॐ हुन्सक्तुः गुमयना दवन हा धः पा क वं धः कालीका
 लिः ननसिं हृष्टी प्रा नः सिद्धि गृन् सिद्धि नाथः आदि गृ
 न् आदि नाथः धन मिमाणाः धन मि पिता ॥८॥ धन ॥
 लख जय न पंगान कः मवन नृप या या क को प्र उ पा य
 ॐ सिद्धि गृन् आहः ॥ जौं जौं जौं जौं जौं जौं जौं प्रसू गी व धन पा य न

महा हा ॥ धन धम कृन् आकृन् जय तयः हा ल मवन द्य स द्धः
 विजया अ सर धूना गुम गल क ॥ ॥२ॐ जौं कौं जिं ॥ धा १००००००००
 लज्ज जाय धन दयी हुना ॥ ॥२ॐ गृन् कृन् कृन् कृन् कृन् कृन् कृन् कृन्
 मासनः आय मवन मालं याग नासः सगृन् द उ ल श आ ॥ ॥
 ॐ सिद्धि गृन् आह ॐ श्री द विज न्म र यं नि गृन् यः ज मी ह यः

सुप्रसन्न भवतु

ॐ

सुप्रसन्नो भवतु

ॐ हं रं गुं स्या ह॥ ॐ ॥ १० ॥ अथ गूदि गं सं हल वं धन थ का न न रुं ॥
१॥ सिद्धि सिद्धि सिं पल हं रं दृ स्या ह॥ ॥ ॐ ॥ धूल जय ल पं हो न स गूः
या लि गू न रु य ॥ ॥ ॐ ॥ वि न न डूं डूं रं दृ स्या ह॥ ॥ ध म रु न म्
ल स यो या ज न के ॥ चि कुं ज या ला ज य ॥ ॥ १२ ॥ हं सर्व सिद्धि मनी
प र्य यः हं हं रं दृ स्या ह॥ ॥ अ ल ३ ॥ ॥ स न या जा जि न या हं के
॥ स न या

ॐ नमः

ॐ नमः

ॐ नमः

ॐ सिद्धि गू नु न्ना स्या सि धूल गू न्ना न व कू मा नि दे वी व र्ज ज ग्नि
कू न्ना ॥ ल हं माल हं ॥ ॐ ॥ ध म रु न सि न्ना सांः आ क ज ल सांः सू यः
यू पि न म द ग स्या ला हा ग न सू यः ॥ ११ ॥ व ज ल सा ध म रु ज रु सू य न
या य रु न्ना ॥ ॥ ॐ ॥ हं नूं यं रु न स्या ह॥ ॥ ॐ ॥ ल हा क ज या व स
वीं ग य ॥ सि व न हूं या य म रु रु न्ना ॥ ॥ क ज य वी या थ ॥

विवादी कथयः पणि वर

ॐ यं यं क्रीं यसा हा ॥ अ ७ लषजपा अंगान के मयन मषू याद
गुलिका थयशुना ॥ ॥ ॐ नमः श्री वज्रपा नीज कस नापय नरव
ले कुलसा हा ॥ चि के ज पा अ पा नी स थ य जि जा ज न का स व
ने जि अ म मा अ श ना ॥ ल था य श ल थ ॥ ॥ ॐ कर्तु स व लि य
म स काला गुन व ध मि सा हा ॥ थ म कु न सि व ना य क क मि ज पा

नास र जासे से पय न

अ कू थ नः पणिः व स ना स श ना ॥ ॥ ॐ यं यं कि यं सा हा ॥
अ १ थ स स्तान वू यः न व नी नाः म ले न या स ता द न सा थ म क रू हा ॥
ॐ ॐ ॐ क्रीं कू वि न न क्री रू ट सा हा ॥ थ म कु न सि व ना य क क मि ज पा
सं न क वि कू अ गु ला व व ॥ ॥ ॐ गु हि रू रू ट सा हा ॥ अ न
थ म कु न सि के ज पा अ या न स हा अ य व न ना य या न स या न ॥

अथर्वसूक्त

[illegible]

सःसगुलिच्छेदनशयी॥ ॥ॐ हूं हूं ड्रों ड्रों सर्वत्र न्यादनकरन
मलाहाथमकुनथा ५ दसमिवृत्त्यतिवानधूनू गृहीतपलप
लषसगस्यमानकवयउयीयाजमासशरुना॥ ॥ॐ शया
रुलमिजिवा नगियसा हाउँ वजरायूषसा हा॥ ताम्बायया वम्बि
जयशयशया॥ ॥ॐ कामव्यवस्था हा॥ वागहिन ४ र्त्तनय
पाउं चूय के सितावस्था॥ न

ASHA ARCHIVES

आशा भोंसले काथे

1.069

ASHA ARCHIVES

आशा भोंसले

1.069

विद्यकर्मस्य रक्षसिवा

[illegible]

गयाय ॥४॥ ॐ हूं हूं हूं रुः श्वि खड्गिं हूं रुट्टा रु ॥ धा न
धमकुन कुमावीन चियः आदुगन द्यु कः केसिया मालश
१ ॐ किं पुं भं अं मुं किं आकष उं एका रु ॥ धा ल १००६ गुरुः
गूनीर न के प्रहाणान सुषू नीर न जपमित सद्यः पति यो नेः
गायात्र कां पिं वा न जिउ ॥४॥ ॐ किं किं श्र ग्या सिद्धि नाथ

पञ्चसिद्धांत

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

यद्भिं दृष्ट्वा ह ॥ धनं जपुनयः पकसिं नीकयक मानन
ॐ वज्रजनाक्षिनीदिनि हं ॥ दये या दनः या गूः यपिन
वागिया कसपियाजः वसभूयः पसिया न मानं वाग
ॐ गृन्ना दस ३ नं हयि काया अवि वि कः कृन् र हः
विमनुजगि शक हं गृन् सायि सवसगि माता दपीवज

आग्निमाता दपीः पावर्षगि माता दपी हं दृष्ट्वा ह ॥ धन
जा जपनि स्य द्रव्यविनसाः पक्षया यः काजसा या दन कस
पियाजः मनुजपवपंः वससूयः दयः कवमया दाथा स द
स्वविनसाः माहनि ३ कया दस्तानं पूयः धन वृजान द्वा सि
यूशना ॥ ६ ॥ काः पका जपवपंमि स द्रयः जवन इत्यविः

वसिष्ठाकृतं नमः ।

वयामाव ॥४॥ ॐ मा नै वि य डिं दू द ट सा हा ॥ धा न ग य क
 सिं मा नः श्र द्ग ग ज प च पं हा न मा न ॥४॥ ॐ श्री डी ग्रीं दू
 सा हा ॥ धा व २ १ चं का सा न मा याः न वि न वि हा न मि सा धि
 हा ज यू ज ॥४॥ ॐ पं च न द्वाः म हा न द्वाः वर्ज न द्वा द ध य सा
 हा ॥ धा न ग श्र द्ग ज प च पं हा मा नः म व न द्वा वि य म द्वा

इति विद्या

[illegible]

अहिलेकापायायकेश्वर

आशा नरकाथि

1.069

ASHA ARCHIVES